दुनिया हमैं ई कहकैं मूरख
बनाबै है कि कल कौ इंतजार
करनौ चहियै, जबकि जीवन
कौ आनंद याई पल मैं है जामैं
हम जीरे हैं।

nirmaan
empowering communities

बिरजभासा की उन्नति और विकास

लाड़ली पतरिका

जनबरी ते मार्च-2022

छापबे बारी
निरमान सुसाइटी
www.brajbhasha.org.in

राजस्थान मुख्यमंतरी चिरंजीवी योजना

या योजना के तहत चुने गये सरकारी और गैर-सरकारी असपतालन में 5 लाख रूपये तक के स्वास्थ बीमा कौ लाभ लै सकैं है।

चिरंजीवी योजना कौ लाभ और याकौ मकसद:

- राज्य के सब सरकारी और सूची में दिये गये गैर-सरकारी असपताल में 5 लाख रूपये तक कौ निसुल्क ईलाज।
- चिरंजीवी योजना के तहत हर साल छोटी बीमारी काजैं 50 हजार रूपये और बढ़ी बीमारी काजैं 4 लाख 50 हजार रूपये तक कौ निसुल्क ईलाज।
- या योजना में बीमारीन के 1576 तरै के पैकेज और पिरौसीजर मौजूद हैं।
- असपताल में भरती के 5 दिन पहलैं और छुट्टी हैबै के 15 दिन के बाद कौ खर्चा या बीमा के अंदर कवर कियौ जाबैगौ।
- जो लोग पहले तेई महात्मा गांधी आयुस्मान भारत स्वास्थ बीमा योजना कौ लाभ लेरे हैं उन्नै आवेदन करबे की जरूरत नांय।
- या योजना ते जोड़बे काजैं सरकार दुआरा गांम और सहरन में अभियान चलाये जारे हैं।
- या योजना में पंजीकरन काजैं कोई भी ई-मित्तर पर निसुल्क भरबा सकैं हैं।

मुख्यमंतरी चिरंजीवी योजना काजैं कागजन की जरूरत:

- आवेदक राजस्थान कौ निवासी हैनौ चहियै।
- आवेदक गरीबी रेखा ते नीचें जीवन यापन करबे बारे परिवार ते हैनौ चहियै।
- चालू मोबाईल नम्बर
- आधार कार्ड
- बैंक खाते की पासबुक
- निवास पिरमान पत्तर
- एक फोटो
- आय पिरमान पत्तर
- रासन कार्ड

कहानी

(बंदर और ऊंट)

भौत साल पहलैं, जंगल में सबरे जानबर अपनी-अपनी अभिनय और नाचबे-गाबे की कलाकारी दिखाबे काजैं इकट्ठे हुये। जब सबरे जानबर आ गये, तो बंदर ते नाचबे की कही गई। बंदर तो उछल-कूद और कलाबाजीन में माहिर हो। तो बानै अपने नाच ते सबकौ मनोरंजन करौ।

सब जानबरन नै तारीफ करी और बंदर ऐ सब नै भौत अच्छौ नरतक मान लियौ। ऊंट ते बंदर की तारीफ सहन ना हुई और बानैऊ नाचनौ सुरू कर दियौ। और ऊंट कौ नाच बेतुका और बेढंगा हो। बाकौ नाच कोई जानबरै पसंद ना आयौ। और सबनै बाकी बुराई करी। ऊंट नै जलन ते नाच करौ या कारन सजा के रूप में बू जंगल ते निकार दियौ।

सीख: अगर तुम अपनी बाँह ते जादा हात पसारेंगे तौ तुमै नुकसान ई होगो।

चुटकला

एक सहर की छोरी कौ भ्याह गांम में हैगौ। एक दिना वाकी सास नै कही बेटी भैंस कूं न्यार डारया। ऊ भैंस कूं न्यार डारबे गई तौ भैंस के मौंह में झाग आरे तौ ऊ चुपचाप घर आकैं बैठगी। सास नै पूछी बेटी चुपचाप कैसैं बैठी ऐ भैंस कूं न्यार डारयाई का। ना मम्मी भैंस तौ अभी कौलगेट कर रई है। सास गैरोस हैकैं गिर परी।

भजन

टेक- अखियां खोल मईया मांऊ देख, तेरे कट जांय जन्म कलेस

या मन्दिर की ऊंची नीची सिढियां ऊपर चढकैं देख तेरे कट जांय जन्म कलेस

अखियां खोल मईया मांऊ देख, तेरे कट जांय जन्म कलेस

या मन्दिर में दीपक जरत बिन बाती बिन तेल तेरे कट जायें जन्म कलेस

अखियां खोल मईया मांऊ देख, तेरे कट जांय जन्म कलेस

या मन्दिर में नौ दरबाजे यामै भीतर घुसकैं देख तेरे कट जायें जन्म कलेस

अखियां खोल मईया मांऊ देख, तेरे कट जांय जन्म कलेस

आपकौ जीवन महां ते सुरू हैबै है, जहां ते तुम्हारौ ड़र खतम है जाबै है।

लोकगीत

दिलों को दिलों से मिलायेगी होरी ,
प्यार के रंग खुद मे, सजायेगी होरी ...
रूठे हुए कौ मनाएंगी होरी!
खुशियों के थाल सजायेगी होरी,
अपनौ के हाल बतायेगी होरी!
सज गई गांम के,बीच में होलिका,
दिये सी अच्छी, नवल बालिका।
सालौं के दिल में, जो जमघट पड़े,
सभी को लौ मे,जलाऐगी होरी!
सारे सिकवे गिले ,भुलायेगी होरी!
रहेगी न अब दूरीयों की खता,
न खोजेंगे कोई अपनों का पता,
धरती नहीं आसमानौ तलक,
परायों के भी मेहमानों तलक!
खुसियों के वादे निभायेगी होरी!
गाते मुस्कुराते, बोलेंगे बोली,
सम्मान से भर,जायेगी झोरी,
होली के रंग मे,भीगेगी चोली!
रूठे हुए को ,मनाएंगी होरी!

सम्पर्क

निर्माण सोसायटी

सहारई रोड़, तहसील-डीग,
जिला-भरतपुर, राजस्थान-321203
मोबाईल नं. 8696208682
बेबसाइट: www.brajbhasha.org.in,
www.nirmaan.org.in
ई-मेल: rajasthanlanguages@nirmaan.org.in ,
info@nirmaan.org.in

बिरज भासा सब्दकोस डॉउनलोड करबे काजें दिये गये QR कोड ऐ स्कैन करौ: